11-June-Kupwara.pdf **Title : Ganapati Nama Sahasram - Gayathri Stotram**

Shri Ganapati Nama Sahasram

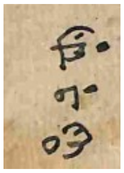

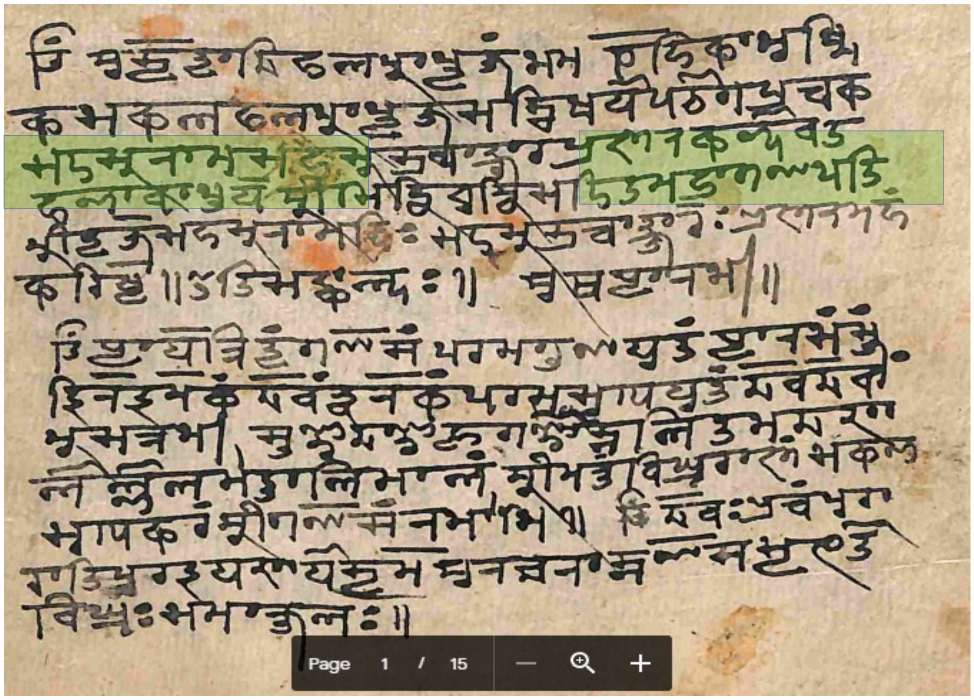

Shri Gayathri Stotram

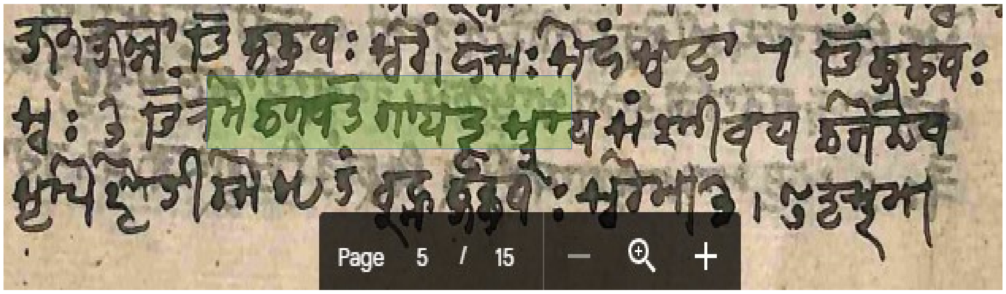

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

म्नाय गुरुसन्तानाय गुरुक्रमाय गुरुक्र
माम्नायप्रदाय, गुरुकुलकुल, गुरुकुल गुरु
क्रमेश्वराय, गुरुक्रमसम्प्रदाय गुरुक्रमा
चित्तहृदय, गुरुक्रमसभावाय, नमः परमशि
वपदाय नमः [illegible] नमः श्रीगुरु
व नमः पादुकायै नमः श्रीविश्वगुरवे न
मः [illegible] नमः [illegible] नमः [illegible],
नमः [illegible] ॥ इति श्री ॥ नमः [illegible]
[illegible] ॥१००॥ गुरवे गुरुपुत्राय गुरवे
[illegible] गुरुक्रमायिने गुरुसम्प्रदाय, गुरुश्रीचक्र
[illegible] गुरुरूपाय गुरुमण्डलाय गुरुक्रम नि
[illegible] नमः [illegible] नमः [illegible] नमः [illegible]
[illegible] नमः [illegible], नमः [illegible], नमः [illegible] नमः [illegible] ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

ॐ गुरुस्तुतिः नमामि भक्त्या [illegible] पूज्यं शिव [illegible] शिर
[illegible] ० [illegible] [illegible] श्री गुरुं परम [illegible]
[illegible] विशुद्ध [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] कुलामल [illegible] लितं
[illegible] श्री गुरवे नमः॥ ॐ गुरवे नमः। परमगुरवे नमः।
परमाचार्याय नमः। [illegible] नमः। [illegible] नमः॥ ॐ
[illegible]॥ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] ० [illegible] [illegible] वि
[illegible] [illegible] [illegible] ट
ॐ: ३ [illegible] [illegible] [illegible]। नव ०
ग:
म:

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

लभवलंधरं भस्कृटपूर्णमभ्रिकः ७ तदि मंत्रपालिपक्षेनटेदि
फूं वं मुठ भृ भजमैजकुलपंडे दिवि मंत्र [illegible] सवित्रम: म भा
ऽ: पूतिकठमंतु पतृत्व मधुभलिमे जिह्वामामृतं भावित्रि विविं
[illegible] पतृ ममीमज। १। म [illegible] जेमृ दहं पंतुतुं पमेजितं जमे। प्र
कृविमूजमहुस्तु भामूयति भमेहरि ॥ वृक्ष ७ त्रिः मंविशवे
[illegible] जवण्ठठपमिठः मभीवण्य मुणं मृत्रामभ्यिषि मन्नये॥
मेडमक: पां हौं [illegible] मृह हौं [illegible] शिव: सुहौं [illegible]:
मवहौं [illegible] गिरमिहौं जमा [illegible] श्रीकें [illegible] विष्णुं मम मम मुवं
प्ठँग ॥ मम मम [illegible] जलपलीसुवि [illegible] यिनीभि। वंहं
कं भजांवंमें मुवे मम [illegible] गठ: [illegible] ७ [illegible]
वि [illegible] यिनीभा। [illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

श्री कर्त्तं कत्र छयक्षिंनीहिगभेकांपुंसक्तं वृत्र
ड्रीकपिलंसुकभीनुगामिंडीभङयेरं कृलीकलविन
मित्रीधी ०॰ ३ ठप्रि भूत्रिवहू ॥ लपंत्र मपुटः ॥
पुत्रेयय [illegible] विडवा [illegible] मुधीभाङि धियैवेत्नः ॥
पुन्त्रय भक्षव्हो भर्ल्लां मिराभि वद्वैभद्रः भराठि
हूनसकूसगाम्र ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

यस्य देवे परा भक्तिर्यथा देवे तथा गुरौ । तस्यैते कथि-
ता ह्यर्थाः प्रकाशन्ते महात्मनः प्रकाशन्ते महात्मन इति
॥ [illegible] ॥ [illegible] १० [illegible]
॥ [illegible]
[illegible]
॥ [illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri